

संधि जल संधि

प्रलिमिस के लिये:

कशिनगंगा एवं रतले जलविद्युत परियोजना, संधि जल संधि(IWT), संधि और उसकी सहायक नदियाँ

मेन्स के लिये:

संधि जल संधि तथा संबंधित विवाद

स्रोत: द हंडि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, 1960 की संधि जल संधि(IWT) के अंतर्गत शामलि नदियों पर स्थापित विद्युत परियोजनाओं का नरीकीकरण करने के लिये पाँच सदस्यीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमिति दल को जम्मू के कशितवाड़ में भेजा गया था।

संधि जल संधि(IWT) क्या है?

परिचय:

- 19 सितंबर, 1960 के विश्व बैंक (World Bank) की मध्यस्थिता के माध्यम से भारत एवं पाकिस्तान के बीच कराची (पाकिस्तान) में संधि जल संधियों पर संधि बनायी गयी।
- यह संधि संधि नदी तथा इसकी पाँच सहायक नदियों सतलुज, ब्रह्मा, रावी, झेलम एवं चनिब के जल के उपयोग पर दोनों पक्षों के बीच सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लिये एक तंत्र स्थापित करती है।

प्रमुख प्रावधान:

- जल बैटवारा:**
 - इसमें नरिधारण की गयी है कि संधि नदी प्रणाली की छह नदियों का जल भारत एवं पाकिस्तान के बीच कसि प्रकार विभाजित किया जाएगा।
 - इसने तीन पश्चिमी नदियों संधि, चनिब तथा झेलम को भारत द्वारा कुछ गैर-उपयोग, कृषि एवं घरेलू उपयोगों को छोड़कर अप्रतिबिधित उपयोग के लिये पाकिस्तान को आवंटित किया तथा तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्रह्मा एवं सतलुज को अप्रतिबिधित उपयोग के लिये भारत को आवंटित किया गया।
 - इसका अर्थ यह है कि 80% जल पाकिस्तान को चला गया, जबकि शेष 20% जल भारत के उपयोग के लिये रहेगा।

स्थायी संधि आयोग:

- संधि जल संधि के अंतर्गत दोनों देशों को एक स्थायी संधि आयोग का गठन करना होगा, जिसकी वार्षिक बैठक अनविवार्य होगी।

विवाद समाधान तंत्र:

- IWT एक तीन-चरणीय विवाद समाधान तंत्र प्रदान करता है जिसके अंतर्गत दोनों पक्षों के "प्रश्नों" को स्थायी आयोग द्वारा हल किया जा सकता है, अथवा इसे अंतर-सरकारी स्तर पर भी उठाया जा सकता है।
- जल-बैटवारे पर देशों के मतभेदों को विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ (NE) द्वारा सुलझाया जा सकता है।
 - विश्व बैंक के कसि तटस्थ विशेषज्ञ की अपील को विश्व बैंक द्वारा स्थापित मध्यस्थिता न्यायालय (Court of Arbitration) में भेजा जा सकता है।

IWT के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं का नरीकीकरण:

- पाकल दुल एवं लोअर कलनाई:** पाकल दुल जलविद्युत परियोजना, चनिब की सहायक नदी मरुसुदर पर नरिमति है। लोअर कलनाई चनिब नदी पर नरिमति है।
- कशिनगंगा जलविद्युत परियोजना:** यह जम्मू-कश्मीर में स्थित एक रन-ऑफ-द-रविर परियोजना है।
 - पाकिस्तान ने इस परियोजना पर आपत्ति जिताते हुए तरक्क दिया कि इससे कशिनगंगा नदी (जिसे पाकिस्तान में नीलम नदी कहा जाता है) का प्रवाह प्रभावित होगा।
 - वर्ष 2013 में, हेंग के स्थायी मध्यस्थिता न्यायालय (CoA) ने नरिण्य दिया कि भारत कुछ शर्तों के साथ संपूर्ण जल प्रवाह मोड़

सकता है।

- रतले जलविद्युत परियोजना: यह जम्मू-कश्मीर में चनिब नदी पर स्थिति एक जलविद्युत स्टेशन है।

The Indus Waters Treaty (IWT)

■ The distribution of waters of the Indus and its tributaries between India and Pakistan is governed by the Indus Water Treaty (IWT).

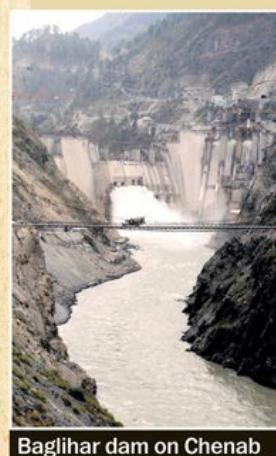
■ Was signed on Sept 19, 1960, between India, Pakistan and a representative of World Bank after eight years of negotiations.

■ Partition of India cut across the Indus river basin, which has the Indus river, plus five of its main tributaries.

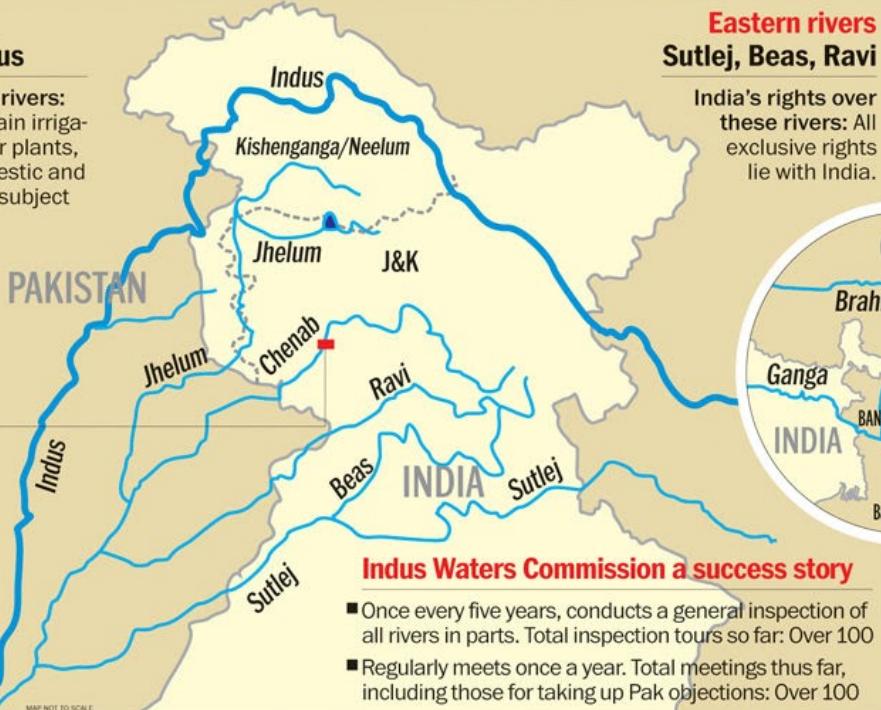
Western rivers

Chenab, Jhelum, Indus

India's rights over these rivers:
Limited – can set up certain irrigation, run-of-the-river power plants, very limited storage, domestic and non-consumptive use, all subject to conditions



Baglihar dam on Chenab



Indus Waters Commission a success story

- Once every five years, conducts a general inspection of all rivers in parts. Total inspection tours so far: Over 100
- Regularly meets once a year. Total meetings thus far, including those for taking up Pak objections: Over 100

सधि नदी और उसकी सहायक नदियाँ

उद्गम:

- सधि (तबिबती-सेंगगे चू 'लायन नदी'), दक्षणी एशिया की एक प्रमुख नदी, ट्रांस-हमिलय में मानसरोवर झील के पास तबिबत से निकलती है।
- यह नदी तबिबत, भारत और पाकिस्तान से होकर बहती है तथा इसके जल निकासी बेसनि के क्षेत्र में लगभग 200 मलियन लोग नवास करते हैं।

मार्ग और प्रमुख सहायक नदियाँ:

- यह नदी लद्दाख के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है और पाकिस्तान के गिलगति-बाल्टिस्तान क्षेत्र में पहुँचने से पहले जम्मू-कश्मीर से होकर बहती है।
- सधि नदी की प्रमुख बाँड़ कनिरे की सहायक नदियाँ ज़स्कर, सुरू, सोन, झेलम, चनिब, रावी, ब्यास, सतलुज और पंजनाद नदियाँ हैं।
- इसके दाहनि कनिरे की प्रमुख सहायक नदियाँ श्योक, गिलगति, हुंजा, स्वात, कुन्नार, कुर्रम, गोमल और काबुल नदियाँ हैं।
- सधि नदी दक्षणी पाकिस्तान में कराची शहर के पास [अरब सागर](#) में गिरती है।

नदी	उद्गम	शामिल है
झेलम	कश्मीर घाटी के वेरीनाग में वसंत	तरमिसु, पाकिस्तान में चनिब
चनिब	बारा लाचा दर्रे के पास चंद्रा और भागा धाराएँ	झेलम और रावी के बाद सतलुज
रावी	रोहतांग दर्रे के पास कुल्लू की पहाड़ियाँ	रंगपुर, पाकिस्तान के निकट चनिब
ब्यास	रोहतांग दर्रे के पास	सतलुज, हरकिं बैराज, भारत
सतलुज	मानसरोवर-राकस झीलें, तबिबत	पाकिस्तान के मथिनकोट से कुछ किलोमीटर ऊपर सधि नदी

आगे की राह

- तकनीकी विवाद समाधान पर ध्यान: दोनों पक्षों को तकनीकी विवादों को हल करने के लिये संधि के मौजूदा ढाँचे के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहयि।
- पारदर्शता और डेटा साझाकरण: दोनों देश आपसी चतियों को दूर करने के लिये जल विज़िनान संबंधी डेटा साझा कर सकते हैं।
- संयुक्त बेसनि प्रबंधन: जलवायु प्रविरत्न और जनसंख्या वृद्धि संधि बेसनि में आम चुनौतियाँ पेश करती हैं, जिससे जल संरक्षण, बाढ़ नियंत्रण और सतत उपयोग के लिये संयुक्त प्रबंधन की आवश्यकता होती है।
- राजनीतिक प्रतिबिंधता और संवाद: स्थायी समाधान के लिये दोनों सरकारों की ओर से टकराव की तुलना में संवाद तथा सहयोग को प्राथमिकता देने की प्रतिबिंधता की आवश्यकता है।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

प्रश्न. संधि जल संधि के प्रमुख प्रावधानों और भारत-पाकिस्तान संबंधों में इसके महत्व पर चर्चा कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?/?/?/?/?/?/?/?/?:

प्रश्न. संधि नदी प्रणाली के संदर्भ में नमिनलखिति चार नदियों में से तीन नदियाँ इनमें से किसी एक नदी में मलिती हैं जो सीधे संधि से मलिती है। नमिनलखिति में से वह नदी कौन-सी है जो सीधे संधि से मलिती है? (2021)

- (a) चनिब
- (b) झेलम
- (c) रावी
- (d) सतलुज

उत्तर: (d)

प्रश्न. नमिनलखिति युग्मों पर विचार कीजयि (2019)

हमिनद नदी

1. बंदरपूँछ : यमुना
2. बारा शागिरी : चेनाब
3. मलिम : मंदाकिनी
4. सियाचिनि : नुख्रा
5. जेमू : मानस

उपर्युक्त में से कौन-से युग्म सही सुमेलति हैं?

- (a) 1, 2 और 4
- (b) 1, 3 और 4
- (c) 2 और 5
- (d) 3 और 5

उत्तर: (a)

?/?/?/?/?:

प्रश्न. नदियों को आपस में जोड़ना सूखा, बाढ़ और बाधति जल- प्रविहन जैसी बहु-आयामी अंतर-संबंधिति समस्याओं का व्यवहार्य समाधान दे सकता है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजयि। (2020)